

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

- Options shown in green color and with ✓ icon are correct.
- Options shown in red color and with ✗ icon are incorrect.

Question Paper Name:	INSCRIPT 28th April 2019 Shift 1
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2019-04-28 14:22:44
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	Yes
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	201298174
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298298
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Id: 201298298
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 2012982499 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes

	Actual
Group Number :	2
Group Id :	201298175
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298299
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 201298299
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 2012982500 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

हम भोजन के संबंध में हानि-लाभ की कुछ बातें जानते हैं, परंतु वायु जो भोजन से भी अधिक आवश्यक है, उसके संबंध में बहुत ही कम जानते हैं। स्वास्थ्य रक्षा के लिये प्राण-वायु यानी ऑक्सीजन जितनी आवश्यक है, उतनी और कोई वस्तु नहीं। हम लोग बासी भोजन खाना पसंद नहीं करते, किंतु बासी और गन्दी वायु के परहेज पर हम ध्यान नहीं देते। ऑक्सीजन ऐसी खुराक है जिसका महत्व खाने पीने की अन्य चीजों की अपेक्षा बहुत अधिक होता है। सुविज्ञ शरीरशास्त्री डॉक्टर रौडस्मंड के अनुसार यह बात असत्य है कि हृदय के द्वारा रक्त का दौरा होता है, वरन् सच बात यह है कि प्राण-वायु ही रक्त में मिल कर उसे दौरा करने की शक्ति देता है। मनुष्य के शरीर को अपना काम चलाने के लिये जिस शक्ति की जरूरत होती है वह कहां से आती है, इस विषय धुरन्धर शरीरशास्त्री डॉक्टर बरनर मेकफेडन के अनुसंधान के अनुसार प्रत्येक श्वास के साथ हम जो वायु खींचते हैं उसके साथ एक विद्युत शक्ति शरीर में जाती है और वह विद्युत शक्ति अन्य कोई वस्तु नहीं ऑक्सीजन का ही परिवर्तित रूप है। जब ऑक्सीजन रक्त में मिलती है, तो स्नायु मंडल उसे ग्रहण कर लेता है और स्नायविक केन्द्र में पहुंचा देता है और उसी की शक्ति से शरीर के सारे काम चलते हैं। भोजन पचाने, बातचीत करने, चलने-फिरने जैसे कार्य इसी शक्ति से पूरे किये जाते हैं। दिमागी काम करने वालों को भी दिमागी ताकत पाने और उन्नत करने का प्रयत्न करना चाहिये और इसके लिए ध्यान रखना चाहिए के मानसिक श्रम में भी स्नायविक शक्ति व्यय होती है, यह शक्ति शारीरिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विद्युत से ही आती है। उस शक्ति का मूल स्रोत ऑक्सीजन है, जो वायु से ही प्राप्त होता है। यह अज्ञान है कि लोग इस प्राण-शक्ति से डरते हैं, और खुली हवा में रहने की अपेक्षा बंद कमरों में काम करना पसंद करते हैं। शीत-ऋतु में आप किसी मोहल्ले में चले जाइये, सारे वातायन बंद मिलेंगे, लोग अपने कमरे बंद करके उनके अंदर मुंह-ढककर सो रहे होंगे, यह प्रथा स्वास्थ्य के लिये बहुत ही हानिकर है। इस बात की परीक्षा आप स्वयं कर सकते हैं, बंद कमरे में मुंह ढक कर सोने पर सुबह उठते हुए शरीर भारी-सा लगेगा। तन्द्रा और आलस्य छाए होंगे, खाट पर से उठना अच्छा नहीं लगेगा और दिन भर सुस्ती बनी रहेगी। तेज या ठंडी हवा में निकलने से लोग भयभीत होते हैं और समझते हैं कि इससे जुकाम आदि हो जाएगा। यह भ्रम मिथ्या है, तेज, ठंडी हवा से कोई बीमारी नहीं होती। यदि जुकाम होता भी है, तो वह स्वास्थ्य के लिये अच्छा है। अगर शरीर में दोष भरे हैं, तो जुकाम होकर बलगम द्वारा उनका निकल जाना ही भला है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes